एनएलयू जोधपुर : एआइ के बदलते ट्रेंड्स पर अंतरराष्ट्रीय मंथन कल से

देश-विदेश के विशेषज्ञ शिक्षा, विधि और पुस्तकालय सेवाओं में एआई के उपयोग पर करेंगे चर्चा



पत्रिका Plus रिपोर्टर
patrika.com

२५·९·२०२६· P-1

जोधपुर. राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय (एनएलयू) जोधपुर में 25 व 26 सितंबर को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआइ) के बदलते स्वरूप और डिजिटल प्रौद्योगिकी के उभरते रुझानों पर अंतरराष्ट्रीय मंथन होगा। संस्कृति मंत्रालय के अधीन राजा राममोहन राय लाइब्रेरी फाउंडेशन (आरआरआरएलएफ) के सहयोग से दो दिवसीय 'इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन डिजिटल ट्रेंड्स ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' आयोजित किया जाएगा। इसमें देश-विदेश के विशेषज्ञ, शिक्षाविद् और शोध संस्थानों के प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे।

कुलगुरु प्रो. (डॉ.) हरप्रीत कौर की अध्यक्षता में होने वाले सम्मेलन में आधुनिक पुस्तकालय एवं सूचना प्रणालियों में एआइ के प्रभावी एकीकरण, डिजिटल संसाधनों, शिक्षा, विधि और सूचना सेवाओं में इसके बढ़ते उपयोग पर चर्चा होगी। विशेषज्ञ व्याख्यान और अकादमिक संवाद भी होंगे।

इनफ्लिबनेट सेंटर की निदेशक प्रो. देविका मदाली मुख्य अतिथि होंगी। दिल्ली पब्लिक लाइब्रेरी की महानिदेशक डॉ. प्रिया राय और कॉर्नेल लॉ यूनिवर्सिटी अमरीका के मुख्य पुस्तकालयाध्यक्ष किम नैय्यर विशिष्ट अतिथि होंगे। कैम्ब्रिज व ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय सहित क्लूवर और थॉमसन रॉयटर्स के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। सम्मेलन में 12 राज्यों के प्रतिभागियों के साथ विभिन्न देशों के विशेषज्ञों के पहुंचने की उम्मीद है।

दैनिक नवज्योति

REDMI NOTE 5 PRO
MI DUAL CAMERA

शिक्षा, विधि व पुस्तकालयों में एआई के उपयोग पर होगा मंथन

एनएलयू में 25-26 को अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, विशेषज्ञ करेंगे नए डिजिटल रुझानों पर चर्चा

24.9.2025 P-11



जोधपुर/ नवज्योति। राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय (एनएलयू) जोधपुर में 25 और 26 सितंबर को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और डिजिटल प्रौद्योगिकी के बदलते स्वरूप पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित होगा। 'इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन डिजिटल ट्रेंड्स ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' में देश-विदेश के विशेषज्ञ, शिक्षाविद् और शोधकर्ता एआई के नए रुझानों तथा आधुनिक पुस्तकालय एवं सूचना प्रणालियों में इसके उपयोग पर चर्चा करेंगे। संस्कृति मंत्रालय के अधीन राजा राममोहन राय लाइब्रेरी फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित सम्मेलन की अध्यक्षता एनएलयू की कुलगुरु प्रो. (डॉ.) हरप्रीत कौर करेंगी। उन्होंने बताया, सम्मेलन का उद्देश्य पुस्तकालय एवं सूचना प्रणालियों में एआई के प्रभावी एकीकरण पर विचार करना है, जिससे सेवाओं की दक्षता, सुगमता, नवाचार और उपयोगकर्ता केंद्रित स्वरूप को मजबूत किया जा सकें। सम्मेलन में शिक्षा, विधि, पुस्तकालय एवं सूचना सेवाओं और डिजिटल संसाधनों में एआई की भूमिका पर विशेषज्ञ व्याख्यान और अकादमिक संवाद होंगे। INFLIBNET Centre की निदेशक प्रो. देविका मदाली मुख्य अतिथि रहेंगी। दिल्ली पब्लिक लाइब्रेरी की महानिदेशक डॉ. प्रिया राय तथा कॉर्नेल लॉ यूनिवर्सिटी, नॉर्थ कैरोलिना, अमेरिका की मुख्य पुस्तकालयाध्यक्ष किम नैय्यर विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगी। कैम्ब्रिज व ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी सहित राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के प्रतिनिधियों के भाग लेने की संभावना है।

सम्मेलन में देश के करीब 12 राज्यों के प्रतिभागी, विभिन्न शोध संस्थानों और विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। क्लूवर, थॉमसन रॉयटर्स सहित अन्य संस्थानों के प्रतिनिधियों की भी सहभागिता प्रस्तावित है। कार्यक्रम का संचालन कुलसचिव डॉ. सुनीता पंकज, RAS के सान्निध्य में किया जा रहा है।

एआइ से बदलेगी लाइब्रेरी की तस्वीर, यूजर-केंद्रित व्यवस्था पर मंथन

जोधपुर @ पत्रिका. राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय (एनएलयू) जोधपुर में शुक्रवार को 'डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशनः इंटीग्रेटिंग एआई फॉर नेक्स्ट जेनरेशन लाइब्रेरीज' विषयक दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आइसीडीटी-2026 शुरू हुआ। इसमें देश के 12 राज्यों के साथ अमेरिका, इंडोनेशिया, अर्जेंटीना, मॉरीशस और नेपाल के प्रतिनिधि शामिल हुए। विशेषज्ञों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल तकनीक के जरिए लाइब्रेरी व्यवस्था में आ रहे बदलावों पर चर्चा की। कुलगुरु प्रो. हरप्रीत कौर ने कहा कि पुस्तकालय विश्वविद्यालय का केंद्रीय अंग है और डिजिटल संसाधनों की उपयोगिता लगातार बढ़ रही है। दिल्ली पब्लिक लाइब्रेरी की महानिदेशक डॉ. प्रिया राय ने कहा कि पुस्तकालय पारंपरिक सामूहिक उपयोग से आगे बढ़कर यूजर-केंद्रित व्यवस्था की ओर बढ़ रहे हैं।

12 राज्यों के विशेषज्ञों के साथ पांच देशों के प्रतिनिधि जुटे, यूजर-सेंट्रिक लाइब्रेरी पर जोर

एआई से बदलेगी लाइब्रेरी की तस्वीर, एनएलयू में हो रहा अंतरराष्ट्रीय मंथन

26.9.2026-Pg

जोधपुर/ नवज्योति। राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय (एनएलयू) जोधपुर में 'Digital Transformation: Integrating AI for Next Generation Libraries (ICDT-2026)' विषयक दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुक्रवार को शुभारंभ हुआ। सम्मेलन में देश के 12 राज्यों के शिक्षाविद, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विशेषज्ञ, शोधार्थी और विभिन्न संस्थानों के प्रतिनिधियों के साथ इंडोनेशिया, अमेरिका, अर्जेंटीना, मॉरीशस व नेपाल के प्रतिनिधि शामिल हुए। उद्घाटन सत्र की शुरुआत राष्ट्रीय गीत एवं राष्ट्रगान से हुई। आयोजन सचिव एवं उप-पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. विनोद डी. ने सम्मेलन की रूपरेखा प्रस्तुत की।



कुलगुरु एवं संरक्षक प्रो. (डॉ.) हरप्रीत कौर ने कहा कि डिजिटल संसाधनों के विस्तार के साथ पुस्तकालयों की भूमिका लगातार बदल रही है। उन्होंने डिजिटल ज्ञान संसाधनों की बढ़ती उपयोगिता पर प्रकाश डाला। दिल्ली पब्लिक लाइब्रेरी की महानिदेशक डॉ. प्रिया राय ने कहा, पुस्तकों, शोध-प्रबंधों और अन्य ज्ञान संसाधनों का डिजिटल स्वरूप तेजी से बढ़ रहा है। पुस्तकालय अब पारंपरिक सामूहिक उपयोग की अवधारणा से आगे बढ़कर यूजर-सेंट्रिक व्यवस्था की ओर जा रहे हैं। INFLIBNET Centre, गुजरात. की निदेशक प्रो. (डॉ.) देविका पी. मदल्ली ने शोधगंगा और 'वन नेशन, वन सब्सक्रिप्शन' जैसी डिजिटल पहलों की जानकारी दी। उन्होंने उच्च शिक्षा में डिजिटल ज्ञान संसाधनों की व्यापक पहुंच को महत्वपूर्ण बताया। कॉर्नेल लॉ यूनिवर्सिटी, अमेरिका के प्रो. (डॉ.) किम नैय्यर ने कहा, डिजिटल दौर में पुस्तकालय ज्ञान के संरक्षण के साथ फेक न्यूज से बचाव का भी महत्वपूर्ण माध्यम हैं। इस अवसर पर 'AI, DigitalTransformation and the Future of Knowledge: The Next Generation Library' कॉन्फ्रेंस प्रोसीडिंग्स का विमोचन किया गया। सम्मेलन निदेशक एवं एनएलयू रजिस्ट्रार डॉ. सुनीता पंकज ने आभार जताया। बाद के सत्रों में जनरेटिव एआई, डिजिटल संरक्षण, ज्ञान खोज, ज्ञान प्रबंधन और भारतीय ज्ञान परंपरा पर विशेषज्ञों ने मंथन किया।